This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक ....

7871 **A**

ADVANCED DIPLOMA

HINDI—Paper I

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. निम्नलिखित गद्यांश का सार लिखिए और इसका कोई उपयुक्त शीर्षक दीजिए :

मानव अधिकार की परिभाषा करना सरल नहीं है। किन्तु इसे नकारा नहीं जा सकता है कि मानव समाज में कई स्तर पर कई तरह से विभेद मौजूद हैं। भाषा, रंग, मानसिक स्तर, प्रजातीय स्तर आदि इन स्तरों पर मानव समाज में भेदभाव का बर्ताव किया जाता रहा है। इन सबके बावजूद कुछ अनिवार्यताएं सब समाजों में समान हैं। यही अनिवार्यता मानव अधिकार है।

हमें मानवाधिकार शब्द को पूर्णत: समझने से पहले 'अधिकार' शब्द को समझना होगा। अधिकार शब्द को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि अधिकार मानव जीवन की ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके बिना कोई सामान्य व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का पूर्ण विकास नहीं कर सकता अत: मानवाधिकार के बारे में यह कहना तर्कसंगत होगा कि ऐसे अधिकार जिनके बिना मानव

[P.T.O.

अपने व्यक्तित्व के पूर्ण विकास के बारे में सोच भी नहीं सकता जो कि मानव होने के फलस्वरूप अन्तर्निहित हैं। मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो एक मानव होने के नाते निश्चित रूप से मिलने चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र संघ मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रयत्नशील है। उसके अपने मानव अधिकार घोषणा-पत्र में ऐसे अधिकारों का उल्लेख है जिन्हें विश्व के समस्त देशों के स्त्री-पुरुष बिना भेदभाव के पाने के अधिकारी हैं। लेकिन मानव अधिकार घोषणा-पत्र के बावजूद आज भी विश्व के अनेक देशों में नागरिकों को पूर्ण मानव अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। अफ्रीका के अनेक देशों एवं दक्षिणी अमरीका के कुछ राज्यों में अभी भी किसी-न-किसी रूप में दास प्रथा, रंगभेद तथा बेरोजगारी मौजूद है। अनेक देशों में धर्म के नाम पर मानवाधिकारों का हनन हो रहा है।

अथवा

भारत विश्व में हमेशा शान्ति का प्रतीक रहा है। हमारे यहाँ से जब भी कोई महात्मा बाहर गए, उन्होंने पूरे विश्व के लिए शान्ति का सन्देश दिया। उन्होंने दुनिया को समझाया कि हम सब एक ईश्वर की सन्तान हैं और पूरे विश्व को एक परिवार की तरह रहना चाहिए-- एक ऐसा परिवार, जिसमें हर व्यक्ति को बराबर की जिन्दगी मिले, बराबर की इज्जत मिले। उसको एक वातावरण मिले कि वह एक आध्यात्मिक जिन्दगी जी सके। वर्षों तक इन्तजार करने के बाद अब संसार आध्यात्मिक समाज में बदलता जा रहा है। पहले कृषि समाज, उसके बाद औद्योगिक समाज, फिर सूचना समाज।

अब एक ऐसा समय आ रहा है कि पूरे विश्व के लोग आतुर हैं एक साथ, एक परिवार के रूप में रहने के लिए। इस समय भारत की भूमिका एक अग्रणी देश के रूप में है। भारत धर्मगुरु था। आज फिर उसे वही भूमिका

निभानी है। इसमें हमारे यहाँ के धार्मिक नेताओं का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। पूरे देश के विभिन्न पंथों, धर्मों के संतगण, चाहे वे किसी भी मत के हों, किसी भी धर्म के हों, एक भारतीय होने के नाते समय-समय एक मंच पर आकर पूरे देश को ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को सन्देश देते हैं कि हम सब साथ हैं। हम ऐसा विश्व बनाने के लिए तैयार हैं, जो विश्व बाजार नहीं, विश्व परिवार होगा। 30

2. दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष के नाम हिन्दी में एक पत्र लिखिए कि आप 'मीडिया की हिन्दी' विषय पर किसी विद्वान का व्याख्यान सुनना चाहते हैं।

अथवा

भारत में दिन-प्रतिदिन आने वाली समस्याओं के बारे में अपने पिता को एक पत्र लिखिए। 30

3. किन्हीं **दस** शब्दों के अंग्रेजी पर्याय लिखिए :

भूमण्डलीकरण, सचिव, सम्पादक, भुगतान, अधिकारी, संकाय, विश्वविद्यालय, प्रशासन, लेखाकार, परियोजना, आरोप-पत्र, पात्रता, सम्पर्क भाषा, विदेश मन्त्रालय, सामाजिक, संस्कृति, भाषा। 10

4. किन्हीं **दस** शब्दों का हिन्दी पर्याय लिखिए :

Approval, Interview, Temporary, Financial, Assistance, Deputy Secretary, Consultants, Pay scale, Welfare, Evaluation, Departmental Order, Provident Fund, Authority Letter, Confidential, Academic, Scheme. 10

5. किन्हीं **पाँच** शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

कष्ट, स्वाभिमान, परोपकार, उचित, क्रोध, व्यवहार, निवारण, पर्यटन, सांस्कृतिक, नवीन। 10

6. किसी **एक** विषय पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए :

(क) मेरी प्रिय पुस्तक

(ख) दीपावली

(ग) हिन्दी पढ़ने का लाभ

(घ) भारतीय संस्कृति

(ङ) किताबें व्यक्ति की सबसे अच्छी मित्र। 10